

संपादक की कलम



रूस-अमेरिका डीजल संधि: भारत का कूटनीतिक संतुलन

समकालीन वैश्विक राजनीति में कूटनीति के समीकरण बेहद तेजी से बदल रहे हैं। आर्थिक लाभ के परिणाम के फलस्वरूप दुर्गम देश दोस्त बन रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऊर्जा सुरक्षा, धरतू राजनीतिक दबाव और महाशक्तियों के बीच हितों का टकराव अब पारंपरिक गठबंधनों में भारी बदलाव के परिदृश्य दिखाई देने लगे हैं। हाल ही में प्रकाश में आई रूस और अमेरिका के बीच डीजल आपूर्ति से जुड़ी कूटनीतिक समझ ने दुनिया भर के भू-राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। कभी रूस को हर मोर्चे पर आर्थिक रूप से पंगु बनाने का दावा करने वाले अमेरिका द्वारा रूस से डीजल लेने का यह प्रस्ताव इस बात का स्पष्ट संकेत है कि महाशक्तियां अपने राष्ट्रीय हितों और घरेलू आर्थिक जरूरतों के सामने वैचारिक और कूटनीतिक दूरियों को दरकिनारा करने में देर नहीं लगाती। हालािया समय में वैश्विक ईंधन बाजारों में मंचे उथल-पुथल, ईरान संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं के कारण अमेरिका में डीजल की कीमतों में ऐतिहासिक उछाल देखने को मिला। घरेलू स्तर पर ईंधन के बढ़ते दाम आम



ललित शर्मा

संपादक

जनता और परिवहन सेक्टर के लिए बड़ी समस्या बन गए, जिसका सीधा असर राजनीतिक स्थिरता पर पड़ने लगा। अमेरिकी प्रशासन के लिए घरेलू महंगाई और जनता के असंतोष को शांत करना सर्वोपरि हो गया। यही से अमेरिकी कूटनीति में एक बड़ा मोड़ आया। जो अमेरिका यूरोपीय देशों को लंबे समय तक रूसी ऊर्जा पर निर्भरता को लेकर चेतावनी देता रहा था, उसने खुद अपनी और वैश्विक बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस के साथ ऊर्जा समझौते की राह चुन ली। यह घटना इस अकटय सत्य को उजागर करती है कि वैश्विक राजनीति में कोई भी देश स्थायी शत्रु या मित्र नहीं होता, बल्कि "राष्ट्रीय हित" ही अंतिम सच है। भारत लंबे समय से पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहा है और रूस से रियायती दरों पर तेल व ऊर्जा आयात करता रहा है। तब पश्चिमी देश भारत की आलोचना करते थे। अब अमेरिका द्वारा खुद रूस से डीजल समझौता करना पश्चिमी दोहर माफ़दंडों की पोल खोलता है और भारत के उस रुख को सही साबित करता है जिसके तहत भारत हमेशा से यह कहता आया है कि ऊर्जा सुरक्षा किसी भी विकासशील देश के लिए सर्वोपरि है। मास्को और वाशिंगटन दोनों से संतुलित संबंध हैं।भारत के रूस के साथ पारंपरिक और भरोसेमंद मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जो हर परीक्षा में खरे उतरते हैं। इसके साथ ही, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और सामरिक मोर्चे पर अमेरिका के साथ भी भारत के संबंध वर्तमान में ऊंचाई पर हैं। रूस-अमेरिका के करीब आने से भारत पर पड़ने वाला कूटनीतिक दबाव कम हुआ है, क्योंकि अब भारत को रूस और अमेरिका के बीच संतुलन साधने के लिए किसी अस्थल स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस समझौते से वैश्विक ईंधन बाजार में आपूर्ति का दबाव कुछ हद तक कम होगा, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ भारत जैसी तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को मिलेगा। इस पूरी कूटनीति का सबसे महारा झटका अगर किसी देश को लगा है, तो वह चीन है। रूस-चीन की तथ्याकथित असीम साझेदारी और पश्चिमी देशों के खिलाफ उनकी घुर-घिरोधी घुरी के दावों को इस घटना से कराार झटका लगा है। यूक्रेन संघर्ष के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था काफी हद तक चीन पर निर्भर हो गई थी। चीन बहुत कम कीमत पर रूस से ऊर्जा संसाधन खरीद रहा था और मास्को के लिए एक बड़े लाइफलाइन की भूमिका निभा रहा था। लेकिन अब अमेरिका और रूस के बीच सीधे ऊर्जा स्तर पर संवाद और व्यापारिक रास्ते खुलने से बीजिंग का वह रणनीतिक एकाधिकार कमजोर हुआ है।

भाग्य की कलम हमारे हाथों में

किशन भावनांनी

कविता



सोच अगर उजली हो तो,रहें खुद संवर जाती हैं,
मीठे बोलों की खुशबू से,दूरियाँ भी मिट जाती हैं,
नेक कर्म जब साथ चलें तो,किस्मत करवट लेती है,
इंसान की अपनी मेहनत ही,तकदीर नई लिख देती है।

हर कदम पर सोच हमारी,एक नया संदेश लिखती है,
हर शब्द की गूँज जिंदगी में,अपना असर दिखाती है,
कर्मों के बीज जो बोते हैं,वैसा ही फल पाते हैं,
अपने ही हाथों से अक्सर,अपने भाग्य बनाते हैं।

न सोच में छल हो कोई,न शब्दों में अभिमान रहे,
कर्मों में सच्चाई हो और,दिल में नेक अरमान रहे,
मुश्किल चाहे लाख मिले पर,हौसला कभी न हारना,
क्योंकि कर्मों की स्याही से,किस्मत का पन्ना वारना।

वक्त बदलता रहता है लेकिन,कर्म नहीं खोते जाते,
आज किए हर अच्छे कर्म के,कल परिणाम हैं आते,
दुनिया चाहे भाग्य कहे या,किस्मत का कोई खेल,
मेहनत,सोच और कर्मों से ही,जीवन बनता है बेमिसाल।

इसलिए सोच को दीप बनाओ,वाणी को मधुर बनाओ,
हर कर्म में सच्चाई भरकर,जीवन को सुंदर बनाओ,
किशन भाग्य कहीं बाहर नहीं,अपने भीतर उसे तलाशो,
सोच,बोल और कर्मों से,अपनी तकदीर खुद लिख डालो।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया |
संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।



डॉ विजय गर्ग

लेखक

गेहूँ दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसलों में से एक है। यह अरबों लोगों को प्रतिदिन आवश्यक कैलोरी और पोषक तत्त्व प्रदान करता है। भारत की रोटियों से लेकर दुनिया के अन्य हिस्सों में खाई जाने वाली ब्रेड और पास्ता तक, गेहूँ खाद्य सुरक्षा और मानव पोषण का एक प्रमुख आधार है। लेकिन वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा, जो जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख कारण है, एक ऐसी चुनौती पैदा कर रही है जो आसानी से दिखाई नहीं देती। यह चुनौती गेहूँ में प्रोटीन की मात्रा और उसकी पोषण गुणवत्ता में संभावित कमी से जुड़ी है। यह स्थिति विशेष रूप से उन देशों के लिए चिंता का विषय है, जहाँ गेहूँ लोगों के दैनिक आहार का मुख्य हिस्सा है। कार्बन डाइऑक्साइड पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक है। प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के दौरान पौधे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं

और सूर्य के प्रकाश तथा पानी की सहायता से कार्बोहाइड्रेट बनाते हैं। कुछ परिस्थितियों में कार्बन डाइऑक्साइड की अधिक मात्रा प्रकाश संश्लेषण को तेज कर सकती है और पौधों की वृद्धि में सुधार ला सकती है। इस प्रभाव को अक्सर कार्बन डाइऑक्साइड का उर्वरक प्रभाव कहा जाता है। यदि पानी और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों, तो इससे फसल की पैदावार बढ़ सकती है। लेकिन पौधों की अधिक वृद्धि का अर्थ यह आवश्यक नहीं है कि उनकी पोषण गुणवत्ता भी बेहतर हो जाए। वैज्ञानिक शोधों से पता चला है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ी हुई मात्रा गेहूँ सहित कई महत्वपूर्ण खाद्य फसलों में प्रोटीन और कुछ खनिजों की सांद्रता को कम कर सकती है। इस प्रभाव की मात्रा गेहूँ की किस्म, खेती की परिस्थितियों, मिट्टी की उर्वरता और अन्य पर्यावरणीय कारकों के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। इसके बावजूद यह एक गंभीर चिंता का विषय है। अधिक उपज वाली फसल के प्रत्येक इकाई भार में प्रोटीन की मात्रा कम हो सकती है। इस प्रकार कुल उत्पादन बढ़ने के बावजूद पोषण संबंधी चुनौती उत्पन्न हो सकती है। इसका एक कारण कार्बोहाइड्रेट और अन्य पोषक तत्वों के अनुपात में बदलाव है। जब पौधे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं, तो उनके दानों में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बढ़ सकती है। यदि स्टार्च की मात्रा

ट्रेन में रीलबाजी पर रेलवे का शिकंजा ! जेल या 5,000 जुमाना ?



किशन भावनांनी

लेखक

वैश्विक स्तरपर डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने की होड़ ने मनोरंजन की दुनियां को जितना व्यापक बनाया है, उतना ही गंभीर सवाल सार्वजनिक सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी को लेकर भी खड़ा किया है।कुछ सेकेंड की रील,हजारों व्यूज और सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाह में अनेक युवा ऐसे वीडियो बनाने की कोशिश करते हैं, जिनमें चलती ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होना, रेलगाड़ी से बाहर झूलना,रेलवे ट्रैक के आसपास खतरनाक गतिविधियां करना अथवा स्टेशन परिसर में जोखिम भरे हश्य फिल्माना शामिल होता है।दूसरी ओर, रेलगाड़ियों के भीतर मोबाइल

फोन के स्पीकर पर तेज आवाज में रील, गाने और वीडियो चलाना भी यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनता है।इन दोनों समस्याओं की प्रकृति अलग है,लेकिन इनके केंद्र में सार्वजनिक सुरक्षा, अनुशासन और दूसरे यात्रियों के अधिकारों का सम्मान करने का सवाल है। भारतीय रेलवे ने अब मोबाइल पर तेज आवाज से होने वाले उपद्रव के विरुद्ध भी सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं।पै एवकोएट किशन सनमुखदास भावनानी गाँदिया महाराष्ट्र बताना चाहूँगा कि 19 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार 19 अक्टूबर 2026:रेलवे का नया अलर्ट क्यों है महत्वपूर्ण ?रेलवे के विभिन्न ज़ोनो में यात्रियों को मोबाइल फोन पर तेज आवाज में संगीत और वीडियो चलाने से रोकने के लिए जागरूकता तथा प्रमाण मानने का इस पहल उठाने की तैयारी की है।।दक्षिण रेलवे ने 6 अक्टूबर 2026 के एक सकुंलर के माध्यम से अपने मंडलों को निर्देश दिया कि ट्रेनों और रेलवे परिसर में स्पीकर मोड पर संगीत अथवा वीडियो चलाने तथा जोर-जोर से बातचीत करने से होने वाली परेशानी के प्रति यात्रियों को जागरूक किया जाए। रिपोर्ट में उत्तर



रेलवे और पश्चिम रेलवे की ओर से भी ऐसी गतिविधियों पर कार्रवाई करने के प्रयासों का उल्लेख है। स्टेशनों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, सूचना संदेश और संबंधित रेल कर्मचारियों के माध्यम से यात्रियों को नियमों का पालन करने के लिए सचेत करना इस पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, उपलब्ध रिपोर्ट की पूरे देश में एक ही दिन जारी हुए किसी एक नए रेलवे बोर्ड आदेश का प्रमाण मानने के बजाय संबंधित ज़ोनो की कार्रवाई के संदर्भ में पढ़ना सटीकता से अधिक उचित होगा। साथियों बात अगर हम आधिकारिक गैजेट और सकुंलर जारी होने की

तारीखों को समझने की करें तो इस नई नियमावली का मुख्य आधार जन विवास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 है।इस अधिनियम को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा 7 अप्रैल, 2026 को मंजूरी दी गई थी और 8 अप्रैल, 2026 को इसे भारत के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किया गया था। इसके बाद, रेलवे बोर्ड ने 23 जून,2026 को आधिकारिक सकुंलर (सकुंलर संख्या/अधिसूचना सं: एसओ.3255 (ई)दिनांक 19.06.2026) जारी किया।इस सकुंलर के माध्यम से सभी क्षेत्रीय रेलवे कार्यालयों (जैसे उत्तर रेलवे, दक्षिण

रेलवे आदि) को नियमों में किए गए संशोधनों को लागू करने के कड़े निर्देश भेजे गए थे।जोलेल रेलवे के ताजा सख्त निर्देश: इस मुख्य आदेश के अनुपालन में, विभिन्न रेलवे ज़ोनो (जैसे चेन्नई और दक्षिण रेलवे प्रभागों) ने अक्टूबर 2026 में फिर से विशेष जन-जागरूकता और कड़े दिशा- निर्देश जारी किए हैं ताकि ट्रेन के भीतर मोबाइल स्पीकर पर रीलस चलाकर उपद्रव करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।यह संशोधित नियम पूरे देश में तत्काल प्रभाव से पूरी तरह लागू हैं।रेलवे बोर्ड के जून 2026 के सकुंलर के बाद से ही चेकिंग स्टॉफ (टीटीई), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को रेलवे अधिनियम की संशोधित धारा 145 (उपद्रव मचना) और धारा 147 (अतिक्रमण/स्टंट रील बनाना) और के तहत मौके पर ही जुमानां वसूलने और कानूनी कार्रवाई करने का पूर्ण अधिकार (सकुंलर संख्या/अधिसूचना सं: एसओ.3255 (ई)दिनांक 19.06.2026) जारी किया।इस सकुंलर के माध्यम से सभी क्षेत्रीय रेलवे कार्यालयों (जैसे उत्तर रेलवे, दक्षिण

छुपी स्त्री, संस्कृति और सभ्यता का पुनर्पाठ



लोगों के जीवन और मृत्यु से जुड़े संस्कारों के बारे में प्रश्न पूछने का अवसर देता है, जिनकी व्यक्तिगत आवाजें इतिहास में सुरक्षित नहीं रह सकीं। कब्रों में रखे मुद्राङ, आभूषण और अन्य वस्तुएँ तत्कालीन समुदायों की मान्यताओं, सामाजिक प्रथाओं तथा मृतकों के प्रति व्यवहार को समझने में सहायक हो सकती हैं। हालाँकि, किसी एक वस्तु या दफन परंपरा के आधार पर पूरे समाज की सामाजिक संरचना का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। राखीगढ़ी का महत्त्व इसी व्यापक दृष्टिकोण में निहित है। यहाँ की प्रत्येक पुरातात्विक वस्तु अतीत के बारे में कोई अंतिम उत्तर देने के बजाय नए प्रश्नों के द्वार खोलती है। वे प्रश्न, जिनमें स्त्री की भूमिका, श्रम का प्रमाणन, परिवारिक संरचना, शिल्प-उत्पादन और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसे विषय शामिल हैं, इतिहास को अधिक समावेशी बनाने में सहायक हो सकते हैं।

शंख की चूड़ियाँ और स्त्री की ऐतिहासिक उपस्थिति

राखीगढ़ी के कब्रिस्तान से प्राप्त महिला के मानव अवशेषों के साथ शंख

इतिहास के अध्ययन का आधार बन रही हैं। उनकी पहचान केवल किसी राजा की पत्नी, किसी योद्धा की माता या किसी धार्मिक आख्यान के पात्र तक सीमित नहीं थी। वे उन समुदायों की सदस्य थीं, जिनके श्रम, पारिवारिक संबंधों और सांस्कृतिक व्यवहारों ने सभ्यता को आकार दिया। इतिहास की स्त्री-केंद्रित व्याख्या का उद्देश्य पुरातात्विक साक्ष्यों को अपनी इच्छानुसार अर्थ देना नहीं, बल्कि उनसे जुड़े प्रश्नों को गंभीरता से उठाना है। राखीगढ़ी की चूड़ियाँ हमें यही प्रेरणा देती हैं कि इतिहास की व्याख्या में स्त्री के जीवन को अधिक संवेदनशीलता और वैज्ञानिक दृष्टि से समझा जाए।

स्त्री, शिल्प और सांस्कृतिक जीवन

हड़प्पा सभ्यता की कला और शिल्प परंपराएँ उसकी विकसित सांस्कृतिक चेतना का परिचय देती हैं। मनकों का निर्माण, धातु-कर्म, मुद्राङ निर्माण, मुहरों की बनावट और आभूषणों की विविधता से पता चलता है कि तत्कालीन समाज में अनेक प्रकार के कौशल विकसित थे। इन गतिविधियों में स्त्रियों की भागीदारी कितनी थी, उनके श्रम का आर्थिक महत्त्व क्या था और क्या वे शिल्प-उत्पादन से जुड़ी थीं- ये ऐसे प्रश्न हैं जिनका उत्तर देने के लिए पुरातत्व, मानवशास्त्र और तुलनात्मक अध्ययन की आवश्यकता है। यहाँ एक ऐतिहासिक तथ्य स्पष्ट करना आवश्यक है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त प्रसिद्ध कांस्य प्रतिमा, जिसे सामान्यतः ‘डॉसिंग गर्ल’ कहा जाता है, सिंधु सभ्यता का चर्चित कलात्मक उपलब्धियों का चर्चित उदाहरण है। इसे राखीगढ़ी से प्राप्त प्रतिमा बताना सही नहीं होगा। इसी प्रकार, किसी

मौसमी घटनाओं के कारण ये लाभ कम भी हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन गेहूँ उगाने वाले सभी क्षेत्रों को एक समान प्रभावित नहीं करता। इसलिए वैज्ञानिकों को केवल पैदावार ही नहीं, बल्कि अनाज की पोषण गुणवत्ता का भी मूल्यांकन करना चाहिए। शोधकर्ता और कृषि संस्थान ऐसी गेहूँ की किस्में विकसित करके इस चुनौती का सामना करने में मदद कर सकते हैं, जो बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड और बदलती जलवायु परिस्थितियों में भी प्रोटीन का स्तर बनाए रख सकें। नई किस्में विकसित करते समय पैदावार, प्रोटीन की मात्रा, आवश्यक अमीनो अम्लों, खनिजों तथा गंध और सुखे को ध्यान करने की क्षमता पर ध्यान देना चाहिए। नाइट्रोजन का संतुलित उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार, उचित उर्वरक प्रबंधन और कुशल सिंचाई भी अनाज की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। हालाँकि, उर्वरकों का उपयोग पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचने के लिए संतुलित ढंग से किया जाना चाहिए। कृषि अनुसंधान के साथ-साथ पोषण संबंधी नीतियों में सुधार भी आवश्यक है। दालों, मसूर, दूध और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों से युक्त संतुलित आहार को बढ़ावा देकर किसी एक खाद्य फसल पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सकती है। सरकारी खाद्य वितरण कार्यक्रमों में भी केवल अनाज की मात्रा ही नहीं, बल्कि उसकी पोषण गुणवत्ता को महत्व देना चाहिए।

आराम से सफर करने, पढ़ने, सोने और शांत वातावरण में समय बिताने का अधिकार है। यदि कोई व्यक्ति मोबाइल फोन के स्पीकर पर लगातार तेज आवाज में रील, गाने या वीडियो चलाता है अथवा जोर-जोर से बातचीत करके सहयात्रियों को परेशान करता है, तो परिस्थितियों के अनुसार यह रेलवे अधिनियम के तहत उपद्रव की श्रेणी में आ सकता है।रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 145 उपद्रव, अश्र्द व्यवहार तथा यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा को प्रभावित करने वाले कुछ कृत्यों से संबंधित है।इसके अंतर्गत कार्रवाई की जा सकती है। संबंधित व्यक्ति को रेलवे परिसर से हटाने की भी व्यवस्था है। भारतीय रेलवे से संबंधित 19 अक्टूबर की मीडिया रिपोर्टों में पहली कार्रवाई के लिए 1,000 रूपए तक के जुर्माने और गंभीर या जुमाने-बात आगर हम मोबाइल पर तेज आवाज में रील चलाता भी बन सकता है कानूनी परेशानी के कारण को समझने की करें तो, रेल यात्रा के दौरान प्रत्येक यात्री को

छुपी स्त्री, संस्कृति और सभ्यता का पुनर्पाठ

स्त्री-आकृति वाली प्रतिमा को केवल उसके स्वरूप के आधार पर नर्तकी, देवी या किसी विशिष्ट सामाजिक वर्ग की महिला घोषित नहीं किया जा सकता। ऐसी व्याख्याओं के लिए प्रतिमा की बनावट, पुनर्तात्विक संदर्भ और अन्य साक्ष्यों का समग्र अध्ययन आवश्यक है। फिर भी हड़प्पा सभ्यता की कलात्मक परंपराएँ इस धारणा को चुनौती देती हैं कि प्राचीन समाजों को समझने के लिए केवल युद्धों और राजनीतिक सत्ता का अध्ययन पर्याप्त है। कला, शिल्प, सौंदर्यबोध, दैनिक उपयोगी क वस्तुएँ और सांस्कृतिक प्रतीक भी सभ्यता की पहचान निर्मित करते हैं। इन क्षेत्रों में स्त्री की संभावित भूमिका का अध्ययन इतिहास के उन पक्षों को उजागर कर सकता है, जिन्हें पारंपरिक विवरणों में अपेक्षाकृत कम स्थान मिला है।

राखीगढ़ी का अनुवैशिक अध्ययन और भारतीय अतीत की नई समझ

वर्ष 2019 में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका ‘सेल’ (‘सी ’) में प्रकाशित एक शोध ने राखीगढ़ी को अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। वसंत शिंदे और उनसे सहयोगियों सहित शोधकर्ताओं की टीम ने हड़प्पा कालीन मानव अवशेषों से प्राचीन डीएनए प्रमाण करने का प्रयास किया। अनेक नमूनों की जाँच के बाद एक महिला के अवशेषों से आनुवंशिक जानकारी प्राप्त करने में सफलता मिली। अध्ययन में इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानी कुम्भ समुदायों से संबंधित आबादी और संभावित एशिया के प्राचीन शिकारी-संग्रहक समुदायों से संबंधित वंश-परंपराओं के साथ पाए गए।



न पुलिया बनी, न रास्ता मिला जनता जाए तो जाए कहां?

टेकेदार की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हजारों लोग!, न पुलिया पूरी, न वैकल्पिक रास्ता आखिर जिम्मेदार कौन?

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर-माधोटांड मार्ग पर पुलिया का निर्माण अधूरा है पड़ा है। आवागमन के लिए वैकल्पिक रास्ता नहीं बनाए जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आरोप है कि पिछले कई महिनों से पुलिया का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से समस्या का समाधान कराने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए पैदल निकलना और मोटरसाइकिल से गुजरना तक मुश्किल हो गया है।इससे क्षेत्र के कई गांवों के लोगों का मुख्य मार्ग से संपर्क प्रभावित होने की शिकायत सामने आई



है।पुलिया का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही आवागमन की समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन लंबे समय से काम अधूरा रहने के कारण ग्रामीणों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। सबसे गंभीर स्थिति यह है

कि निर्माण स्थल पर आवागमन के लिए कोई उचित वैकल्पिक क्रासिंग या अस्थायी कच्चा रास्ता उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है। ऐसे में स्थानीय लोगों को अपने जोखमर्रां के कामकाज के लिए भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा

है।रास्ता बंद होने का असर स्कूली बच्चों, बीमार बुजुर्गों, दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों और अन्य राहगीरों पर पड़ रहा है। बच्चों को स्कूल पहुंचने में परेशानी होती है तो वहीं किसी अपात स्थिति में मरीज को अस्पताल ले जाना भी चुनौतीपूर्ण हो



सकता है।रोजाना काम पर जाने वाले ग्रामीणों के सामने भी समय और दूरी की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और पुलिया जैसे जरूरी निर्माण कार्यों में लोगों की सुविधा का ध्यान रखना विभागीय जिम्मेदारी है, लेकिन वैकल्पिक रास्ते

की व्यवस्था नहीं होने से आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

टेकेदार पर कार्रवाई और तत्काल रास्ता खोलने की मांग

मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर पुलिया

पैगाम-ए-आखिरत कांफ्रेंस में शिक्षा और इंसानियत का संदेश

मुफ्ती साजिद हसनी कादरी ने युवाओं को दिलाई हेलमेट पहनने और यातायात नियमों के पालन की रापथ

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। तहसील पूरनपुर में एक दिवसीय पैगाम-ए-आखिरत कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें उलमा और इस्लामिक विद्वानों ने पैगंबर-ए-इस्लाम की सीरत, दीनी तालीम, बच्चों के साथ बच्चियों की शिक्षा और समाज सुधार पर विचार रखे। कांफ्रेंस में युवाओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के साथ बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प भी दिलाया गया।कांफ्रेंस की सरपरस्ती मौलाना अजहर फारूकी हरहरपुरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मशहूर इस्लामिक स्कॉलर और गोल्ड मेडलिस्ट मुफ्ती साजिद हसनी तर्कवी में अध्यक्षता की। कुरान की तिलावत के साथ फहीम कुरैशी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।संचालन



मौलाना इमरान रईसी बरेलवी ने किया।मुफ्ती फुरकान मंजरी ने अपनी तकरीर में कहा कि मुसलमानों को बच्चों के साथ बच्चियों को भी दीनी तालीम दिलानी चाहिए। युवाओं को उच्च शिक्षा हासिल कर समाज की तरक्की में योगदान देना चाहिए।उन्होंने आला हजरत फाजिले बरेलवी, इस्लाह- ए-मुआशरा और गौस- ए-

आजम की जीवनी पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।मुख्य अतिथि मुफ्ती साजिद हसनी कादरी ने पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा की जीवनी पर रोशनी डालते हुए गरीबों और यतीमों की मदद करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों और बच्चियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।पैगंबर- ए- इस्लाम की

शिक्षाओं पर अमल करते हुए जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। मदीना मरिजद के इमाम मुफ्ती नूर मोहम्मद हसनी ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आधी रोटी खाएं, लेकिन बच्चों को जरूर पढ़ाएं। मुफ्ती हाशिम रजा हुसैनी बरेलवी ने इस्लाम की बुनियादी शिक्षाओं कलिमा, नमाज, रोजा, हज और जकात पर अमल

करने की अपील की।कांफ्रेंस के दौरान मुफ्ती साजिद हसनी कादरी ने युवाओं को हेलमेट पहनकर बाइक चलाने की रापथ दिलाई। सैकड़ों लोगों ने हाथ उठाकर इस संकल्प को दोहराया। उन्होंने बिना हेलमेट बाइक चलाने के नुकसान बताते हुए युवाओं से दूसरों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की अपील की।कार्यक्रम के संयोजक सभासद नदीम साबरी की ओर से शीरीनी और लंगर वितरित किया गया। अंत में मौलाना अजहर फारूकी ने मुल्क में अमन-ओ-अमान के लिए दुआ कराई।कांफ्रेंस के इमाम मोहम्मद, हाफिज अब्दुल हसीब, वसीम अंसारी, नसीम अंसारी, हाजी इरशाद अहमद, हाजी शमशाद अहमद, पणू अंसारी, लालू अंसारी, तौफीक अंसारी और शहनवाज अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पीडीए पंचायत में 2027 की तैयारी का आह्वान, बूथ मजबूत करने पर जोर

अनीस अहमद खां बोले संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कार्यकर्ता अभी से जुटें

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। सदर विधानसभा क्षेत्र के उदयपुर में मंगलवार को समाजवादी पार्टी की ओर से विधानसभा स्तरीय पीडीए पंचायत एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार ने की। इसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की।मुख्य अतिथि अनीस अहमद खां ने कहा कि पीडीए पंचायत में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी पार्टी के प्रति उनके लगाव को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।रियाज अहमद के निधन से जो कमी हुई है, उसे पूरा करना संभव नहीं है, लेकिन उनके बताए रास्ते पर



चलते हुए लोगों को सम्मान देने का प्रयास किया जाएगा।अनीस अहमद खां ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और मीडिया पर दबाव होने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करना सभी की

जिम्मेदारी है।उन्होंने मीडिया से स्वतंत्र होकर जनहित के मुद्दों पर सवाल उठाने की अपील की। साथ ही अधिकारियों से निष्पक्षता के साथ काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर अच्छे अधिकारियों को सम्मान दिया जाएगा और गरीबों के साथ अन्याय नहीं होने

दिया जाएगा। कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने तथा बुध स्तर पर सक्रियता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाना पार्टी का लक्ष्य है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को अभी से जुटकर अपने-अपने बूथों को मजबूत करना होगा।सामाजिक एकता पर जोर

देते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई देश की खूबसूरती हैं। डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान को लोकतंत्र की ताकत बताते हुए उन्होंने सभी से एकजुट रहने की अपील की।कार्यक्रम का संचालन राजेश शुक्ला ने किया। विधानसभा अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी ने सेक्टर, बूथ प्रभारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।इस मौके पर सपा प्रदेश सचिव आनंद सिंह यादव, कुलदीप सिंह भुल्लर, असलम जावेद अंसारी, अमर सिंह, गवासुद्दीन मंसूरी, निरंजन कुमार गंगवार, केके पाल, कुलबंत सिंह, बलकार सिंह, बालक राम सागर, काशीराम सरोज, पर्लविंदर सिंह, सज्जाद खान, अनीसुरहमान मलिक, इरशाद मियां, राशिद मलिक, अमित पाठक, शिबू मलिक और रूपायन कश्यप समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूरनपुर में बच्चियों की तालीम को मिले बेहतर अवसर, उलमा ने जताई जरूरत, बैठक में टोस कदम उठाने की बनी रूपरेखा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। अजहरी एकेडमी के बैनर तले नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अल रात्र अरबिक इंटर कॉलेज के हॉल में उलमा-ए-किराम और अइम्मा-ए-मसाजिद की अहम नशिस्त आयोजित की गई।इसमें बड़ी संख्या में उलमा और मरिजदों के इमामों ने शिरकत की। बैठक में ऑल इंडिया निजाम-ए-मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम कांफ्रेंस को कामयाब बनाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। साथ ही दीनी तालीम, मिल्ली मसाइल और समाज की शैक्षिक जरूरतों पर विस्तार से चर्चा हुई।नशिस्त में नामूसे रिसालत की हिफाजत, मुस्लिम समाज को लेकर फैलाए जा रहे कथित प्रोपेगंडे तथा सामाजिक स्तर पर पैदा हो रही चुनौतियों जैसे मुद्दे उठाए गए। बरेली और आसपास के क्षेत्रों में बच्चियों को लेकर सामने आ रही चिंताओं पर भी चर्चा की



गई। वक्ताओं ने युवाओं को जागरूक करने, उन्हें सही मार्गदर्शन देने और दीनी व सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग बनाने की जरूरत पर जोर दिया।बैठक में पूरनपुर में बच्चियों की बेहतर शिक्षा के लिए उपयुक्त संस्थान की जरूरत का मुद्दा प्रमुखता से उठा। नूर अहमद अजहरी ने कहा कि क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक सेवाओं के कई कार्य किए जाते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर दीनी संस्थाओं और बच्चियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने चाहिए।उन्होंने कहा कि पूरनपुर में

बच्चियों के लिए सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त ऐसे शिक्षण संस्थान की जरूरत महसूस की जा रही है, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ धार्मिक मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान के प्रति जागरूकता का वातावरण भी उपलब्ध हो। इस विषय पर उपस्थित लोगों ने अपने विचार रखे और समस्या के समाधान के लिए सामूहिक रूप से टोस पहल करने पर जोर दिया।नूर अहमद अजहरी ने कहा कि बैठक का उद्देश्य केवल चर्चा तक सीमित रहना नहीं, बल्कि समाज की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक कदम उठाना है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी का पर्व, अधर्म पर धर्म की हुई विजय

जौ के जवारे कान पर रखकर सुख-समृद्धि की कामना की, नकारात्मक विचारों से रक्षा का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व जनपद मुरादाबाद के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहेड़ी ब्रह्मनाम, धारकनंगला, हिमायूंपुर, मनकुआ मकसूदपुर, जटपुरा, भोजपुर, सिसलऊ नजरपुर, कालाझांडा, बोंबदवाला, वाकरपुर, अटायन सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों और मुरादाबाद तथा ठाकुरद्वारा नगर में लोगों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार विजयादशमी का पर्व मनाया। इस अवसर पर घरों और प्रतिष्ठानों में धार्मिक अनुष्ठान किए गए तथा परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की। धार्मिक एवं व्यावसायिक परंपराओं के अनुसार शुभ मुहूर्त में विभिन्न समाजों के लोगों ने अपने-अपने आराध्य और पूजन सामग्री की विधि-विधान से



पूजा-अर्चना की। ब्राह्मण समाज के लोगों ने वेद, पुराण, पोथी-पत्री एवं अन्य धार्मिक ग्रंथों का पूजन किया, जबकि वैष्णव समाज के लोगों ने तराजू, बाट और लेखा-बही की पूजा की।क्षत्रिय समाज के लोगों ने अख-शस्त्र का पूजन किया तथा चित्रगुप्त वंशजों ने लेखनी की पूजा-अर्चना कर परंपराओं का निर्वहन किया। पर्व के अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों तथा परिवार के अन्य पुरुष सदस्यों के मस्तक पर रोली, कुमकुम और अक्षत से तिलक लगाया। इसके बाद उनके

दाहिने कान पर जौ के जवारे रखकर सुख, समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। जौ के जवारे को अन्नपूर्णा, उन्नति और समृद्धि का प्रतीक मानते हुए लोगों ने अपने जीवन से नकारात्मक विचारों को दूर रखने और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। विजयादशमी के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भगवान श्रीराम और हनुमान की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ कर परिवार तथा समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। कई

स्थानों पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रामलीला और रावण दहन के कार्यक्रमों को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान भगवान श्रीराम के जयकारों और आतिशबाजी के बीच वातावरण भक्तिमय हो गया तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और आम लोगों ने कार्यक्रमों में भाग लिया। शिक्षाविद पींडित राधेश्याम शर्मा ने विजयादशमी के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमें सत्य के मार्ग पर चलने, बुराइयों का त्याग करने और समाज में सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि रावण दहन का वास्तविक संदेश असह और भौतर्कता के अंत में धर्म और सत्य का दहन नहीं है, बल्कि अंधाधुनिकता और अंधाधुनिकता के अंत में धर्म और सत्य का दहन है। श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ कर परिवार तथा समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। कई

साहनपुर स्टेट में परंपरागत ढंग से मनाया गया विजयादशमी का पर्व

पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री राजा भारतेन्द्र सिंह ने सपरिवार की पूजा-अर्चना, क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में की शिरकत

वेलकम इंडिया/महमूद राजा

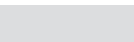
नजीबाबाद (बिजनौर)। साहनपुर स्टेट में विजयादशमी का पर्व परंपरागत रीति-रिवाजों, धार्मिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री राजा भारतेन्द्र सिंह ने अपने परिवार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की और दशहरा पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया। कार्यक्रम में जनपद बिजनौर सहित आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक एवं विभिन्न क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों ने भाग लिया। विजयादशमी के अवसर पर साहनपुर स्टेट में उत्सव का माहौल रहा। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का राजा भारतेन्द्र सिंह ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और सनातन परंपराओं को सहेजकर रखना चाहिए। सभी पर्व-त्वोहार आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाने चाहिए, ताकि



आने वाली पीढ़ियां भी अपनी संस्कृति, परंपराओं और विरासत से परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि त्वोहार हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं और इनके माध्यम से समाज में एकता तथा आपसी सौहार्द की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार, धामपुर विधायक अशोक राणा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधीर चौधरी, डॉ. रचना पाल, डॉ. धर्मवीर सिंह, पूर्व

क्षेत्रीय मंत्री एवं नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष लीना सिंघेल, पूर्व गन्ना समिति तपराज सिंह देशवाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अवधेश चौधरी, गर्जेंद्र मलिक, भारतीय किसान यूनियन के नेता वीर सिंह सहरावात, देवेंद्र सैनी, भाजपा नेता चौधरी ईशम सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रोबिन चौधरी, शिव ध्यान सिंह, सदीप एडवोकेट, इंद्रपाल सिंह, करण सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पंकज

चौधरी, आचार्य उदयवीर सिंह, गौतम और्व, राकेश प्रधान और ओमपाल सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सचिन देशवाल, अनुज चौधरी, चौधरी देवेंद्र सिंह गाजीपुर, सुनील खाई खेड़ी, बाबुराम तालान, शोएब अहमद, तारिम राइन, अजीम अहमद, महबूब मलिक, राजकुमार प्रजापति, धर्मेन्द्र कुमार, अनुज काकरना, वरुण कौशिक, सचिन चौधरी, रविंद्र देशवाल, वीर सिंह, सुशील कुमार, तूफान सिंह, देवेंद्र सिंह तोमर, देवराज सहगल, शोभित चौधरी और अरविंद विश्वकर्मा सहित क्षेत्र के अनेक लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। साहनपुर स्टेट में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की उपस्थिति रही। सभी ने एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं और पर्व की परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम ने क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया।



महाराजा सूरजमल अखाड़ा गाँव रोरी मे पारम्परिक शस्त्र पूजन हुआ

शस्त्र पूजा केवल हथियारों की आराधना नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और शोषित की रक्षा करने का संकल्प भी है: बाबा परमेन्द्र आर्य

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गाँव रोरी के महाराजा सूरजमल अखाड़े मे प्रतिवर्ष कि तरह शस्त्र पूजन महोत्सव पारम्परिक रीति से मनाया गया। मंत्रो उच्चारण कर पूजा कि गयी व सभी शस्त्रों को रोली से तिलक किया व कलावा बांधा गया और फूल माला चढ़ाये। पूजन उपरांत वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

अखाड़े के संचालक व श्योराण खाप चौधरी बाबा परमेन्द्र आर्य ने कहा शस्त्र पूजा केवल हथियारों की आराधना नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और शोषित की रक्षा करने का संकल्प भी

है। प्रत्येक नागरिक को अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा करने का अधिकार है। कर्नल सुधीर चौधरी ने कहा सेना व पुलिस के जवान भी विजयदशमी के शुभ अवसर पर शस्त्रो की पूजा करते है। शस्त्र ही वीर योद्धाओं के आभूषण होते हैं। सैनिक हथियारों को अपने शरीर का अंग समझते है। बच्चों को अधिक से अधिक एनसीसी का प्रशिक्षण लेना चाहिए।

घणघस खाप चौधरी सुखपाल सिंह ने अपने सम्बोधन मे कहा प्रचिन काल मे गांव के अखाड़े खाप की सेना के ट्रेनिंग सेंटर होते थे।जब भी समाज पर कोई खतरा होता था तब खाप चौधरी के नेतृत्व मे पहलवान अग्रिम



पंक्ति मे खडे होकर युद्ध लडते थे। श्योराण खाप चौधरी बाबा परमेन्द्र आर्य द्वारा संचालित महाराजा

सूरजमल अखाड़े मे जो गतका खेल प्रतिযোগित व कुश्ती दंगल कराया जाता है बहुत सराहनीय कार्य है। विजय

दशमी पर शस्त्र पूजा करना हमारी धर्मिक परम्परा है।

सहरावत खाप चौधरी वरुण सहरावत भौकारेडी ने कहा शस्त्र पूजा राजा महाराजा व योद्धा पुरातन काल से करते आ रहे हैं। ग्रामिण आंचल से ही सबसे अधिक योद्धा तैयार होते है। देश व समाज पर जब विपत्ति आती है तो ये योद्धा अपने देश व समाज की रक्षा के लिये अपनी जान की बाजी लगा देते हैं।

कार्यक्रम के समापन पर गतका खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल व पुष्कर देकर प्रोत्साहित किया गया। समाज में विशिष्ट कार्य करने वाले नागरिकों को श्योराण खाप का सम्मान

प्रतीक भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय जाट महासभा से के महासचिव चौधरी शेर सिंह, जाट महासभा के अध्यक्ष चो.ओमपाल सिंह गुलिया, जाट समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष सतीश नेहरा, एकलव्य सहारा भाकियू, पप्पी नेहरा भाकियू, दुर्धत चौधरी, कैप्टन रवि कुमार, विपिन राठी , मोनु करनावल, एडवोकेट संजीव चिकारा, चमन सिंह, डा. आशी, कमांडो मनोज शर्मा, विजय हिन्दुस्तानी, मास्टर प्रेमपाल, मनोज कुमार, वीरभान भाकियू, राहुल दुहाई भाकियू दीपक श्योराण, मा. लक्षमण सिंह राठी आदि उपस्थित रहे।

सेठ सतीश कुमार मोदी के 80 वे जन्म दिवस पर विशाल भंडारे का किया आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री दुर्गा चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष सेठ सतीश कुमार मोदी के 80 वे जन्म दिवस पर श्री लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर सभी ने सेठ सतीश कुमार मोदी के दीघायुं की कामना की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर पंडित देवेन्द्र शास्त्री लक्ष्मी राम शर्मा, जितेंद्र चौधरी, हरीश कुमार,निरंकार सिंह, महेंद्र सिंह, धन कुमार रुहेला, अनिल वशिष्ठ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर में माइक्रोसॉफ्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर में टीपीआई माइक्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से माइक्रोसॉफ्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (Microsoft Center of Excellence) का उद्घाटन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करना, उनके तकनीकी कौशल को विकसित करना तथा उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) डी. के. मोदी, चॉंसलर डॉ. के. एन. मोदी, कुलपति प्रो. (डॉ.) पी. एन. ऋषिकेश राजिस्ट्रार डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन, मोदीनगर के प्रतिनिधियों तथा टीपीआई माइक्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षाविदों एवं विभिन्न विभागों



के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थियों को माइक्रोसॉफ्ट एन्चोर, माइक्रोसॉफ्ट 365, माइक्रोसॉफ्ट पावर प्लेटफॉर्म, माइक्रोसॉफ्ट डायनेमिक्स 365, मिडलवेयर एप्लीकेशन, माइक्रोसॉफ्ट सुरक्षा समाधान, साइबर सिस्कोरिटी, माइक्रोसॉफ्ट कोर्पायलट तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसी आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल अकादमिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच बेहतर

तालमेल स्थापित करने, विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा और वे बदलते तकनीकी परिदृश्य में अपनी दक्षता बढ़ा सकेंगे। डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय और टीपीआई माइक्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड की यह संयुक्त तकनीकी शिक्षा नवाचार और कौशलको नई दिशा प्रदान करेगी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भव्य दशहरा महोत्सव, झोन् शो और राम मंदिर के दर्शन बने आकर्षण का केंद्र



वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा वेस्ट । प्रभु श्री रामलीला सेवा ट्रस्ट की ओर से इकोटेक-12 स्थित रामलीला मैदान में भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरा परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। आसमान में आकर्षक झोन् शो और रामलीला परिसर में निर्मित भव्य श्रीराम मंदिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। अयोध्या से लाई गई प्रभु श्रीराम की प्रतिमा के दर्शन कर भक्त भावविभोर हो उठे। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 85 फुट ऊंचे रावण तथा 70-70 फुट

ऊंचे मेघनाथ और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन रहा। भव्य आतिशबाजी और आकर्षक आयोजन ने विजयादशमी के उत्सव को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक यादव और महासचिव देव मिश्रा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, सदस्यों, राम सेवकों और स्वयंसेवकों ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। ट्रस्ट का उद्देश्य रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

वाजिदपुर में फार्म-6 नहीं मिलने से नए मतदाता परेशान, निर्वाचन आयोग की व्यवस्था पर उठाए सवाल



वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा । भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नए मतदाता बनाने की प्रक्रिया के बीच गांव वाजिदपुर के प्राथमिक विद्यालय स्थित बूथ संख्या 571 पर फार्म-6 उपलब्ध नहीं होने का मामला सामने आया है। ग्राम विकास संगठन नोएडा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने आरोप लगाया कि वह अपने दोनों बच्चों प्रियांश्वी चौहान और प्रिंस चौहान की नई वोट बनवाने के लिए बूथ पर पहुंचे थे, लेकिन वहां तैनात बीएलओ ने फार्म-6 उपलब्ध नहीं होने की बात

कही। अशोक चौहान के अनुसार, बीएलओ ने उन्हें दस्तावेजों की छायाप्रति और एक-एक फोटो जमा करने को कहा तथा फार्म आने पर आवेदन भरने का आश्वासन दिया। उन्होंने निर्वाचन आयोग की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब नए मतदाता बनाने की प्रक्रिया चल रही है, तो बीएलओ को समय पर फार्म-6 उपलब्ध क्यों नहीं कराए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की, ताकि नए मतदाताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े।

क्षत्रिय समाज मोदीनगर द्वारा विजयदशमी समारोह एवं शस्त्र पूजन का आयोजन

स्वर्गीय आशीष रघुवंशी को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। क्षत्रिय समाज मोदीनगर द्वारा विजयदशमी के पावन अवसर पर सीकरी कला स्थित संगठन के कार्यालय परिसर में विजयदशमी समारोह एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वर्गीय आशीष रघुवंशी के असामयिक निधन के कारण इस वर्ष कार्यक्रम का स्वरूप अत्यंत सादगीपूर्ण एवं सीमित रखा गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ से हुआ। इसके उपरांत समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार शस्त्रों का पूजन कर धर्म, साहस, शौर्य, स्वाभिमान एवं समाज की एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने विजयदशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व असत्य



पर सत्य, अधर्म पर धर्म तथा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। शस्त्र पूजन क्षत्रिय समाज की गौरवशाली परंपरा, वीरता, आत्मरक्षा एवं धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। वक्ताओं ने समाज के लोगों से आपसी भाईचारा, एकजुटता एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में स्वर्गीय आशीष रघुवंशी जी के चित्र पर

माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

रमन के लोगों ने कहा कि आशीष रघुवंशी जी का असामयिक निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी स्मृतियां सदैव समाज के

सेक्टर-39 की नवनिर्वाचित आरडब्ल्यूए टीम सम्मानित, सफाई और सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संकल्प



वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा । सेक्टर-39 के ई-ब्लॉक पार्क क्लब की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में नवनिर्वाचित आरडब्ल्यूए की 14 सदस्यीय प्रबंध समिति को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन.पी. सिंह सहित आसपास के सेक्टरों के आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों का भी सम्मान हुआ। समारोह में करीब 150 लोगों ने भाग लिया। सम्मानित होने वालों में अध्यक्ष अशोक खन्ना, उपाध्यक्ष संजय गोयल, महासचिव राहुल जैन, कोषाध्यक्ष अनिल खन्ना,

कार्यकारिणी सदस्य अरुण गुप्ता और दिव्या बसौत तथा ब्लॉक प्रतिनिधि मनोज सिंह, असीम टुकाराल, सोरभ शर्मा, संजीव गुप्ता, दीपिका शर्मा, तरुण खन्ना, संजीव भयाना और फतेह बहादुर सिंह शामिल रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक खन्ना ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि नई टीम सेक्टर में सफाई, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करेगी। डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने कहा कि आरडब्ल्यूए की सक्रिय भागीदारी से सेक्टरों की समस्याओं का समाधान आसान होता है।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी की रामलीला का समापन, अतिथियों ने किया रावण दहन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा । श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला के दसवें दिन मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान अतिथियों ने पूजा-अर्चना के बाद धनुष-बाण चलाकर मेघनाथ, कुंभकरण और रावण के पुतलों का दहन किया। इसके साथ ही रामलीला का विधिवत समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि टीवी एंकर रूबीका लियाकत, कार्यक्रम अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, स्वागत अध्यक्ष एवं उद्यमी-समाजसेवी मुकेश शर्मा, नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, डॉ. मनोज लुथरा और फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि रूबीका लियाकत ने रामलीला के दस वर्षों से

के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिराज अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, प्रिया गोल्ट के सीएमडी, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, विपिन अग्रवाल, गिराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पंडित कृष्ण स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, जैन, पूनम सिंह, विपिन अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ. योगेंद्र सिंह, अरुण चौहान, सुमित सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम ने सत्य के मार्ग पर चलकर रावण पर विजय प्राप्त की थी। हम सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। आयोजन समिति

हो रहे आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लगातार बढ़ती दर्शकों की संख्या इस आयोजन की लोकप्रियता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विजयादशमी असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम ने सत्य के मार्ग पर चलकर रावण पर विजय प्राप्त की थी। हम सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। आयोजन समिति

राजनगर में विजयादशमी की धूम, जिलाधिकारी ने किया रावण के पुतले का दहन

तीन पुतलों का दहन, एक संदेश—हमेशा सत्य और धर्म की होती है जीत



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। श्री रामलीला समिति, राजनगर की

ओर से आयोजित रामलीला मेले में 'विजयादशमी' पर भारी भीड़ उमड़ी। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी

रविन्द्र कुमार मानदंड ने रावण के पुतले का दहन किया तो पूरा मैदान जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। इस दौरान रावण, मेघनाथ और

कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया गया। रामलीला मंचन में हनुमान जी द्वारा पाताल लोक पहुंचकर

अहिरावण का वध करने और श्रीराम-लक्ष्मण को मुक्त कराने का प्रसंग दिखाया गया। इसके बाद श्रीराम और रावण

के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंत में श्रीराम ने रावण का वध कर अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि

रामलीला समाज को आदर्शों और संस्कारों की प्रेरणा देती है। नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने में ऐसे आयोजनों की

महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, सदस्य और राजनगर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार: 881 ग्राम गांजे के साथ युवक गिरफ्तार, 2420 रुपये बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 881 ग्राम अवैध गांजा और गांजा बिक्री के 2420 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को शालीमार गार्डन थाना पुलिस टीम ने तिकोना पार्क के पास

चेकिंग के दौरान अमन पुत्र शकील को गिरफ्तार किया। आरोपी की उम्र करीब 23 वर्ष है और वह विक्रम एन्क्लेव, थाना शालीमार गार्डन, गाजियाबाद का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से गांजा और बिक्री के रुपये बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शालीमार गार्डन थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चला रही है।

खेत में टूटा बिजली का तार बना काल, करंट लगने से दो महिलाओं की मौत, एक घायल



मृतक



मृतक



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नंदग्राम थाना क्षेत्र के गुलधर में भट्टा नंबर-5 रोड के पास मंगलवार सुबह खेत में काम करने गई तीन महिलाएं टूटे बिजली के तार की चपेट में आ गईं। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई। घटना से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को

हादसे की सूचना मिली। खेत में जमीन पर टूटकर पड़े बिजली के तार की चपेट में आने से तीनों महिलाएं घायल हो गईं। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सत्यवती (50), पत्नी धान सिंह और रूबी (20), पत्नी शिवम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, देशश्री पुत्री धान सिंह का अस्पताल में उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। दोनों मृत महिलाओं के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की



प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

दशहरे पर भी नहीं डिगो कनावनी के किसान, 67वें दिन भी धरना जारी

खसरा-खतौनी में नाम बहाली तक घर वापसी नहीं, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दशहरे के पर्व पर भी कनावनी के किसानों का जीडीए के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना 67वें दिन जारी रहा। त्योहार की खुशियां छोड़ किसान अपनी पुश्तैनी जमीन और अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। किसानों ने स्पष्ट कहा कि जब तक खसरा-खतौनी में उनके नाम बहाल नहीं होते, तब तक धरना समाप्त नहीं होगा।

किसानों ने आरोप लगाया कि दो महीने से अधिक समय बीतने के बावजूद प्रशासन ने उनकी मांगों के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की है। हाईकोर्ट से जुड़े मामले और



आदेशों के पालन को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को आसपास के गांवों और किसान संगठनों के सहयोग से व्यापक बनाया जाएगा।

किसानों ने कहा कि पुश्तैनी जमीन उनकी विरासत और भविष्य का आधार है। धरने में सुखबीर सिंह नागर, कैलाश नागर, अशोक कसाना, गजेन्द्र नागर सहित बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

विजयदशमी पर गंगनहर विसर्जन स्थल पहुंचे पुलिस आयुक्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयदशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद ने मुरादनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगनहर स्थित मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने विसर्जन स्थल पर सुरक्षा



ईतजामों को लेकर पुलिसकर्मियों को सुस्तैद रहने और श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखने को कहा। इसके साथ ही पुलिस आयुक्त ने विसर्जन स्थल पर मौजूद श्रद्धालुओं और आमजन से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। त्योहार के दौरान शांति, सुरक्षा और व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

मुरादनगर में रंगदारी मांगने का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

फोन पर रंगदारी मांगने और धमकी देने का मामला, दो आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुरादनगर थाना पुलिस ने रंगदारी मांगने और धमकी देने के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दिल्ली के मौजपुर निवासी फरहान (22) पुत्र नईम के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मंगलवार को मुखाविर की सूचना पर मुरादनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, 9 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके मोबाइल पर कॉल कर रंगदारी मांगी



और धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 351(3) और 308(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। साक्ष्यों के आधार पर मामले में धारा 318(4) और 61(2) बीएनएस भी बढ़ाई गई। इससे पहले 17 अक्टूबर

को पुलिस नवाबूद्दीन निवासी शहीदनगर, साहिबाबाद और जावेद निवासी कातिनगर, पूर्वी दिल्ली को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

विजयादशमी पर मिशन शक्ति का संदेश, महिला चौपाल में गाजियाबाद पुलिस ने किया जागरूक



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयादशमी के अवसर पर मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत गाजियाबाद पुलिस ने थाना विजयनगर स्थित मिशन शक्ति केंद्र को मॉडल केंद्र के रूप में विकसित करते हुए महिला चौपाल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को सरकारी योजनाओं, अधिकारों तथा आर्मानभर बनने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डीसीपी मुख्यालय बलवंत चौधरी, एसीपी महिला अपराध शुचिता सिंह, एसीपी



कोतवाली नगर उपासना पांडेय और विजयनगर थाना प्रभारी मौजूद रहे। महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, सुकन्या समृद्धि और वृद्धावस्था पेंशन योजना की पात्रता व लाभ बताए गए। योजनाओं का लाभ ले रही महिलाओं से संवाद कर उनके

अनुभव और सुझाव भी लिए गए। पुलिस अधिकारियों ने मिशन शक्ति के तहत पिछले नौ दिनों में आयोजित गतिविधियों की समीक्षा की। स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से फीडबैक लेकर महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर चर्चा

हुई। चौपाल में महिलाओं की समस्याएं सुनकर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

विजयनगर रामलीला ग्राउंड में दशहरे की धूम, पुलिस के पहरे में हुआ रावण दहन



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयादशमी के अवसर पर विजयनगर रामलीला ग्राउंड में रावण दहन देखने के लिए भारी संख्या में लोग उमड़ पड़े। मैदान में दर्शकों की

लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए रामलीला मैदान के अंदर ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात की गईं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

थाना प्रभारी धर्मपाल सिंह और चौकी ईंवाज मनीष ने पुलिस टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटे रहे। वहीं, मेले में लगे झूलों और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी

दामोदर इरफान ने संभाली। रामलीला कमेटी की ओर से आकर्षक झांकियों और दर्शकों के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं का इंतजाम किया गया। त्योहार के उत्साह के बीच रामलीला मैदान में लोगों की भारी मौजूदगी देखने को मिली।